Today's Poem – 07.08.2014

तुम्हारा निज़ी संस्कार है पवित्रता

जो इसे धारण करता वो विश्व का मालिक बनता

बाप से वायदा करना अपनी सिविल आई रखेंगे

क्रिमिनल नहीं बनेंगे

हमें शान्त रहना

माया के गुलाम नहीं बनना

अपने को माया के वार से बचाते रहना

क्योंकि अब पावन दुनिया में चलना

देवता बनने के लिए अवस्था को बहुत-बहुत शान्तचित्त बनाना

कोई भी भूत प्रवेश होने नहीं देना, दैवीगुण धारण करना

जो सदा बाप के याद की छत्रछाया के नीचे रहते

वो स्वयं को सदा सेफ अनुभव करते

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!